यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2021

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 3

अंक 97+3=100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न.1 संक्षेप में उत्तर देवें- **30**

1. धर्मगुरु धर्माचार्य की स्तुति का पाठ लिखे।

.....

2. श्रावकजी का चौथा विश्राम कौनसा है?

.....

3. तुच्छौषधि किसे कहते है?

.....

4. पन्द्रह कर्मादान कौनसे व्रत में आता है?

.....

5. तक्करप्पओगे शब्द कौनसे पाठ में आता है?

.....

6. इच्छामि णं भंते के पाठ के सूत्र का क्या नाम है?

.....

7. दो कारण बताइये जिससे जीव मरकर तिर्यंच गति में जाते है?

.....

8. पर्याप्ति किसे कहते है?

.....

9. काल को अस्तिकाय क्यों नहीं कहते है?

.....

10. रति-अरति का अर्थ क्या है?

.....

11. भाव से असंख्यात प्रदेशी कौनसे-कौनसे द्रव्य है?

.....

12. चारित्र किसे कहते है?

.....

13. निर्जरा के दो भेद का नाम लिखे?

.....

14. स्कंधक मुनि के माता-पिता का क्या नाम था?

.....

15. अम्बड़ ने किसकी परीक्षा ली?

.....

प्रश्न. 2 अंक देखकर नाम लिखिए **15**

उदाहरण- पांचवा गुणस्थान देशविरत गुणस्थान

1. नवां (9) पापस्थान .....

2. दसवां (10) उपयोग .....

3. श्रावक का चौथा (4) व्रत .....

4. 3 लाख किस जीव के प्रकार है .....

5. 8वें बलदेवजी का नाम .....

6. जीव का बारहवा (12) भेद कौनसा है .....

7. संवर का चौथ (4) भेद .....

8. सचितपिहणया कौनसे व्रत का कौनसा अतिचार है .....

9. ज्ञान का तीसरा (3) अतिचार .....

10. पांचवा (5) प्राण .....

प्रश्न 3. गाथाओं को पूर्ण करें :- **33**

1. तस्स सव्वस्स .....

.....पडिक्कमामि।

2. परमत्थ .....

..... सम्मत्तसद्दहणा।

3. तिण्हं गुणवयाणं .....

..... सावगधम्मस्स।

4. कंदप्पे .....

.....परिभोगाइरित्ते।

5. अप्पकिलंताणं बहुसुभेणं .....

.....देवसिअ वइक्कमं।।

6. पीत्वा .....

..... इच्छेत।

7. चित्रं .....

..... मार्गम।

8. स्वर्गपति .....

..... गाया।

9. दीन हूँ .....

..... पकड़ता हूँ।

10. माफ .....

..... संतोष।।

11. वह शक्ति .....

..... बना जावें।

प्र.4 सही या गलत लिखिए – **10**

1. जीवो का भवसिद्धिपना परिणाम से है, स्वभाव से नहीं। ( )
2. घ्राणेन्द्रिय के वश में हुआ जीव कर्म मन्द रस वाली हो, तो तीव्र रस वाली करता है। ( )
3. महीने के पांच दिन प्रतिपूर्ण पौषध करना श्रावक का तीसरा विश्राम है। ( )
4. निर्ग्रन्थ रागद्वेष की समस्त ग्रन्थियो को छोड़ने वाले होते है। ( )
5. अरिहंत ने आठ कर्मों का र्स्वथा क्षय कर दिया है। ( )
6. पहले सम्यक् ज्ञान, फिर सम्यक् दर्शन बाद सम्यक चारित्र होता है। ( )
7. काचरे छीलने की प्रशंसा का फल–देह की उतारी खाल ( )
8. कमठ का जीव मेघमाली देव बना ( )
9. शकेन्द्र ने खंधक मुनि की प्रशंसा की ( )
10. पार्श्वकुमार ने सुनंदा के साथ विवाह किया। ( )

प्रश्न 5. जोड़ी मिलाओ **9**

A.	वंसा	1. सारथी
B.	पैशुन्य	2. जड़
C.	प्रतिसंलीनता	3. अतिथिसंविभाग व्रत
D.	नाग	4. शर्करा प्रभा
E.	देशावकाशिक व्रत	5. वैमानिक देव
F.	अजीव	6. चुगली
G.	कालाइक्कमे	7. दूसरा विश्राम
H.	पुद्गलास्तिकाय	8. बाह्य तप
I.	कल्पोपपन्न	9. रूपी